मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 13 अक्टुबर 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	14/10/15	15/10/15	16/10/15	17/10/15	18/10/15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	37	36	36	35	35
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	21	20	20	19	19
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	1	1	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	75	74	79	70	68
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	38	41	36	37	35
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	7	6	9	8	7
हवा की दिशा	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

सरसों की फसल में पेन्टेड बग व आरा मक्खी कीट अंकुरण के 7–10 दिन में अधिक हानि पहुंचाते है। इनकी रोकथाम के लिए 7.5 ग्राम इमीडाक्लोप्रिड 70 डब्लू.एस. से प्रति किलो बीज को उपचारित कर बुवाई करें या 20 किलो मिथाईल पैराथियान 2 प्रतिशत चूर्ण का प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

चने की उन्नत किस्में आर.एस.जी–44, सी–235, जी.एन.जी–663 (वरदान) एंव आर.एस. जी–888 (अनुभव) की बुवाई करें।

चने को जड़ गलन रोग से बचाने के लिए 2 ग्राम कार्बेण्डेजिम से प्रति किलो बीज को उपचारित करें।

किसान भाई गाजर की पूसा केसर, पूसा वृष्टि व पूसा सलेक्शन–5 उन्नत किस्मों की बुवाई करें।

प्याज की पूसा रेड, नासिक रेड, उदयपुर–102 व पूसा व्हाइट फ्लेट किस्मों की बुवाई करें तथा एक हैक्टेयर फसल लगाने के लिए 10 किलो बीज प्रयोग में लें।

इस बदलते मौसम में पशुओं में गलघोंटू (H.S.) व ठप्पा रोग (B.Q.) के फैलने की संभावना अत्यधिक रहती है। अतः समय रहते इनके टीके अवश्य लगवाएं।

(नौडल ऑफीसर)